महिला कृषकों हेतु एक–दिवसीय प्रषिक्षण आयोजित

पंतनगर। 1 फरवरी, 2010। राष्ट्रीय कृषि विकास योजना के अंतर्गत पंतनगर विष्वविद्यालय के पादप रोग विज्ञान विभाग द्वारा समेकित नाषीजीव प्रबन्धन कार्यक्रम के अंतर्गत न्यूनतम साझा कार्यक्रम नामक परियोजना के अंतर्गत महिला कृषकों हेतु एक–दिवसीय प्रषिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस प्रषिक्षण कार्यक्रम में नैनीताल जनपद के दुमका बंकर ग्राम सभा क्षेत्र, हल्द्वानी ब्लॉक के लगभग 50 महिला कृषकों ने भाग लिया।

परियोजना अधिकारी एवं पादप रोग विज्ञान विभाग के अध्यक्ष, डा. जे. कुमार ने पारम्परिक कृषि पद्धति से होने वाली कम आय तथा कृषकों के घटते रूझान को ध्यान में रखते हुए अधिक आय देने वाले विकल्पों को अपनाने की आवष्यकता पर बल दिया। उन्होंने बताया कि सब्जियों की खेती से होने वाली आय पारम्परिक खेती की तुलना में अधिक है तथा सब्जी उत्पादन में तुलनात्मक रूप से समय भी कम लगता है। डा. कुमार ने कहा कि पारम्परिक खेती की तुलना में सब्जी उत्पादन में सघन प्रबन्धन की आवष्यकता होती है जो अधिक उत्पादन के लिये आवष्यक है। उन्होंने कहा कि वर्तमान समय में सब्जी उत्पादन में भी रासायनिक रोग एवं कीटनाषकों का प्रयोग बहुतायत से किया जा रहा है जो टिकाऊ नहीं है एवं खर्चीला भी है। यहां तक कि एक फसल में कीटनाषकों व रोगनाषकों के 20 छिड़काव तक किये जा रहे हैं जो पर्यावरण के प्रतिकूल है फिर भी इसका वांछित परिणाम रोग एवं कीटों के नियंत्रण में तथा कुल फसल उत्पादन में नहीं मिल रहा है। उन्होंने बताया कि ऐसी परिस्थितियों में जैविक नियंत्रण की तकनीकी जो उच्च विज्ञान की तकनीकी प्रक्रिया है, टीकाऊ भी है और कम खर्च वाली है।

प्रषिक्षण के दौरान महिला कृषकों को जैव नियंत्रण प्रयोगषाला में जैव नियंत्रक, *ट्राईकोडर्मा हरजियानम, स्यूडोमोनास फ्लोरिसेंस* तथा वर्मी–कम्पोस्ट उत्पादन की तकनीकी एवं प्रयोग विधि जानकारी श्री. भूपेष चन्द्र ने दिया। महिला कृषकों ने विष्वविद्यालय के विभिन्न अनुसंधान केन्द्रों यथा पषुधन अनुसंधान केन्द्र, कुक्कुट फार्म, मषरूम अनुसंधान एवं प्रषिक्षण केन्द्र, पुष्प उत्पादन केन्द्र और प्रजनक बीज उत्पादन केन्द्र का भ्रमण किया। बीज उत्पादन केन्द्र पर भ्रमण के दौरान डा. रष्मि तिवारी ने जैविक खेती की तकनीक एवं जैविक बीज उत्पादन की तकनीकी जानकारी दी। इस प्रषिक्षण कार्यक्रम में श्री प्रमोद प्रसाद एवं श्री एस.के. सिंह ने सक्रिय भूमिका निभाई।

प्रषिक्षण में महिला कृषकों के साथ परियोजनाधिकारी, डा. जे. कुमार